

# सफलता की कहानी हेतु पत्रक

नाम कृषक \_\_\_\_\_  
 पिता का नाम \_\_\_\_\_  
 जाति \_\_\_\_\_  
 ग्राम \_\_\_\_\_  
 विकासखण्ड \_\_\_\_\_  
 तहसील \_\_\_\_\_  
 जिला \_\_\_\_\_  
 रकवा (हैक्टेयर में) \_\_\_\_\_  
 उद्यानिकी के तहत रकवा \_\_\_\_\_  
 प्रमुख उद्यानिकी फसलें \_\_\_\_\_  
 तकनीकी का प्रयोग \_\_\_\_\_

फतेह लाल  
 वागर्खिलवाक  
 जसवाल  
 वेड़ला  
 कोतमा  
 कोतमा  
 अनुपपुर  
 1.000  
 1 एकड़  
 गिन्नी



ड्रिप सिंचाई पद्धति ✓

मल्टिप्लिंग ✓

वर्गी कम्पोजिट इकाई ✓

पेक हाउस

उद्यानिकी में यंत्रीकरण का प्रयोग ✓

पॉली हाउस / शेडनेट हाउस

प्रति एकड़ आय

कुल आय

1.20 लाख

1.20 लाख

कृषक की जुबानी, सफलता की कहानी -

मैं फतेह लाल जसवाल ग्राम-वेड़ला जिला-कोतमा में मैं  
 परम्परागत तरीके से खेती करता था किन्तु उद्यानिकी विभाग के कार्यालय के सम्पर्क में आने के बाद  
 मुझे ड्रिप सिंचाई तकनीक के बारे में जानकारी मिली। मैंने ड्रिप सिंचाई तकनीक को अपना लिया।  
 अनुपपुर जिले के कोतमा में ड्रिप सिंचाई तकनीक का उपयोग करके गिन्नी की खेती की।  
 प्रकृति के दो फोटो - कोतमा ड्रिप सिंचाई तकनीक का उपयोग करके खेती करने का प्रकृति के दो फोटो



कार्यालय  
 अधिकारी के हस्ताक्षर अधिकारी  
 वि. ख. कोतमा, जिला-अनुपपुर (म.प्र.)

समय लाल

कृषक के हस्ताक्षर